मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (MMTTC), जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 41वें 8-दिवसीय ऑनलाइन NEP-2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइज़ेशन कार्यक्रम का किया समापन

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2026

मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (MMTTC), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) ने 20 से 29 जनवरी 2026 तक हुए अपने 41वें 8-दिवसीय ऑनलाइन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 ओरिएंटेशन और सेंसिटाइज़ेशन प्रोग्राम का सफलतापूर्वक समापन किया। इस प्रोग्राम में 22 राज्यों के 114 इंटरडिसिप्लिनरी फैकल्टी मेंबर और रिसर्च स्कॉलर शामिल हुए, जो 17 विषयों में सेंट्रल, स्टेट, डीम्ड और प्राइवेट यूनिवर्सिटी और कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते थे। ओरिएंटेशन प्रोग्राम में NEP 2020 के विज़न, फ्रेमवर्क और लागू करने की स्ट्रेटेजी के साथ गंभीरता से बातचीत हुई।

प्रो. मज़हर आसिफ़, माननीय वाइस-चांसलर, जेएमआई (चीफ पैट्रन), और प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, रजिस्ट्रार, जेएमआई (पैट्रन) की लीडरशिप में यह प्रोग्राम MMTTC, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. कुलविंदर कौर, मानद निदेशक, MMTTC ने एकेडमिक लीडरशिप दी। प्रोग्राम को डॉ. कृष्ण शंकर कुसुमा, एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जेएमआई ने कोऑर्डिनेट किया।

ओरिएंटेशन की शुरुआत NEP-2020 को समझने और भारत को एक नॉलेज सोसाइटी बनाने में इसकी बदलाव लाने की क्षमता पर सेशन के साथ हुई। प्रो. सी. बी. शर्मा ने एजुकेशन पॉलिसी के ऐतिहासिक विकास पर रोशनी डाली और सुधार के मुख्य आधार के तौर पर कई भाषाओं वाली एजुकेशन, टीचर ट्रेनिंग और करिकुलम रिन्यूअल पर ज़ोर दिया। इसके बाद हुई बातचीत में हायर एजुकेशन में इम्प्लीमेंटेशन स्ट्रेटेजी, होलिस्टिक और मल्टीडिसिप्लिनरी लर्निंग, आउटकम-बेस्ड एजुकेशन, और इंडियन नॉलेज सिस्टम्स (IKS) के इंटीग्रेशन पर बात हुई। इसमें सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ कश्मीर के वाइस-चांसलर प्रो. ए. रवींद्र नाथ ने फ्लेक्सिबल डिग्री पैथवे, रिसर्च इकोसिस्टम और इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट पर ज़ोर दिया।

इस प्रोग्राम में प्रो. के. श्रीनिवास की लीडरशिप में डिजिटल पेडागॉजी और AI-इनेबल्ड ब्लेंडेड लर्निंग पर गहराई से बातचीत हुई। उन्होंने एक्सपीरिएंशियल लर्निंग मॉडल और कंटेंट क्रिएशन, असेसमेंट और पर्सनलाइज़्ड लर्निंग के लिए एजुकेशनल टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को दिखाया। डॉ. स्टीवन राज ने हायर एजुकेशन के ग्लोबलाइज़ेशन और इंटरनेशनलाइज़ेशन पर सेशन दिए, जिसमें स्टूडेंट मोबिलिटी, एक्रेडिटेशन, इंटरनेशनल कोलेबोरेशन और ग्लोबल एकेडमिक पार्टनरशिप में भारत की बढ़ती भूमिका पर ज़ोर दिया गया।

डायवर्सिटी, इनक्लूजन और इक्विटी पर सत्र प्रो. अरशद ने लीड किए, जिन्होंने हायर एजुकेशन में एक्सेस, स्टूडेंट डायवर्सिटी, एलुमनाई एंगेजमेंट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के साथ अलाइनमेंट जैसी चुनौतियों पर बात की। प्रो. मोहम्मद शहीर सिद्दीकी ने इंडियन नॉलेज सिस्टम पर एक बड़ा नज़रिया पेश किया, जिसमें धार्मिक सीमाओं से परे इसके मल्टीडिसिप्लिनरी और इनक्लूसिव नेचर पर ज़ोर दिया और आज के करिकुलम में इसके महत्व वाले इंटीग्रेशन की वकालत की।

NEP-2020 के तहत करिकुलम डेवलपमेंट और असेसमेंट फ्रेमवर्क पर प्रो. राम पांडे ने चर्चा की, जिसमें अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम स्ट्रक्चर, मल्टीडिसिप्लिनरी ऑप्शन और इवैल्यूएशन स्ट्रेटेजी पर फोकस किया गया। डॉ. प्रगति पॉल ने इंडस्ट्री कनेक्ट और स्टूडेंट प्लेसमेंट के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें एम्प्लॉयबिलिटी, डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए परसेप्शन बिल्डिंग और स्ट्रक्चर्ड प्लेसमेंट मैकेनिज्म के महत्व पर ज़ोर दिया गया।

हायर एजुकेशन में टेक्नोलॉजी से होने वाले बदलाव ने एक बड़ा विषय बनाया, जिसमें प्रो. कासिम ने एजुकेशन में ICTs, MOOCs, वर्चुअल लैब और AI पर बात की, जबकि प्रो. मुज़ाकिर ने इंस्टीट्यूशनल ऑटोनॉमी, SWAYAM, एकेडमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट्स (ABC), और चॉइस-बेस्ड लर्निंग पर चर्चा की, जिसमें लर्नर-सेंट्रिक पैथवे और एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया।

प्रो. ज्योति शर्मा ने प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग मॉडल और कम्युनिटी-ओरिएंटेड एजुकेशनल प्रैक्टिस पेश करते हुए, समाज में बदलाव में हायर एजुकेशन की भूमिका के बारे में बताया। प्रो. रवींद्रनाथ ने NEP-2020 के तहत स्किल डेवलपमेंट पर फोकस किया, जिसमें इंडस्ट्री-एकेडेमिया अलाइनमेंट, वोकेशनल एजुकेशन और स्किल इंडिया जैसे नेशनल इनिशिएटिव पर ज़ोर दिया ताकि युवाओं की एम्प्लॉयबिलिटी को मज़बूत किया जा सके।

प्रो. रवींद्र कुमार वेमुला ने रिसर्च और एकेडमिक पब्लिशिंग पर बात की, जिन्होंने एंपिरिकल रिसर्च, इंटरडिसिप्लिनरी कोलेबोरेशन, एथिकल स्कॉलरशिप और पब्लिकेशन इम्पैक्ट को बढ़ाने की स्ट्रेटेजी पर ज़ोर दिया। डॉ. समीर ने इनक्लूसिव पेडागॉजी, रिज़र्वेशन मॉडल, कंस्ट्रक्टिविस्ट लर्निंग और टेक्नोलॉजी के ज़िम्मेदार इंटीग्रेशन पर सोच-विचार के साथ एकेडमिक सेशन खत्म किए, जिसमें इक्विटेबल टीचिंग प्रैक्टिस और इंस्टीट्यूशनल एक्सेसिबिलिटी की वकालत की गई।

आखिरी दिन, प्रो. रबिंद्र ने NEP-2020 को लागू करने की बड़ी चुनौतियों की जांच की, जिसमें मल्टीडिसिप्लिनरी बदलाव, इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं और पब्लिक यूनिवर्सिटी में फंडिंग पैटर्न शामिल हैं। प्रो. श्रीनिवास ने उच्च शिक्षा में फाइनेंशियल इंक्लूजन पर डेटा-आधारित जानकारी पेश की, जिसमें एनरोलमेंट ट्रेंड, हाशिये पर खड़े स्टूडेंट्स के लिए स्कॉलरशिप सपोर्ट और शिक्षा के लिए घटते बजट आवंटन पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का समापन डायरेक्टर, MMTC के साथ एक फीडबैक सेशन के साथ हुआ, जिसे प्रो. कुसुमा ने कोऑर्डिनेट किया, जहाँ प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की व्यापक एकेडमिक कवरेज और प्रभावी संगठन के लिए गहरी सराहना व्यक्त की। आठ दिवसीय ओरिएंटेशन ने नीति, शिक्षाशास्त्र, प्रौद्योगिकी, समावेशन, अनुसंधान और कौशल पर सार्थक बातचीत को बढ़ावा दिया, जिससे शिक्षण, नवाचार और संस्थागत परिवर्तन में उत्कृष्टता के माध्यम से NEP-2020 के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता सुदृढ हुई।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी